National Education Policy 2020

Department of Economics

Provisional Syllabus for Bachelor of Arts in Economics

Four Year Undergraduate Honours /Research Program under NEP

BBMK University, Dhanbad

Semester-wise Titles of the Papers (Major)					
Year	*Sem.*	*CourseCode*	*Title of the Paper*	*Theory/ Practical*	*Credits*
			Certificate Course in Fundamentals of Economics		
FIRST-YEAR	I	ECOMJ-1	Principles of Microeconomics	Theory	4 Credits
	II	ECOMJ-2	Principles of Macroeconomics	Theory	4 Credits
		ECOMJ-3	Indian Economy	Theory	4 Credits
			Diploma in Economics		
SECOND YEAR	III	ECOMJ-4	Introductory Statistics for Economics	Theory	4 Credits
		ECOMJ-5	Public Finance	Theory	4 Credits
	IV	ECOMJ-6	Money & Banking	Theory	4 Credits
		ECOMJ-7	Environmental Economics	Theory	4 Credits
		ECOMJ-8		Theory	4 Credits

Minor Papers					
Year	*Semester*	*Paper Code*	*Title of the Paper*	*Theory*	*Credits*
1st	I	ECO-MN-1A	Introductory Economics	Theory	4 Credits
2nd	III	ECO-MN-2B	Money and Banking	Theory	4 Credits

Multidisciplinary Course			
ECO-MDC	Introductory Economics	Theory	3 Credits

सेमेस्टर 1

ECOMJ-1

सूक्ष्म अर्थशास्त्र के सिद्धांत

पाठ्यक्रम का परिणाम: पेपर का परिणाम व्यक्तियों, फर्मों और बाजारों के आर्थिक व्यवहार का विश्लेषण करना है। यह मुख्य रूप से छात्रों को उपभोक्ता व्यवहार और आर्थिक कल्याण, फर्मों के व्यवहार और विभिन्न परिस्थितियों में अपूर्ण बाजारों और संतुलन के सिद्धांत के विभिन्न पहलुओं के साथ एक कठोर और व्यापक समझ से लैस करना है।

अंतिम सेमेस्टर परीक्षा (ईएसई 75 अंक, 3 घंटे की परीक्षा) के लिए प्रश्नों के दो समूह होंगे
ग्रुप ए अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे प्रश्न संख्या। 1 बहुत लघु उत्तर प्रकार का होगा, प्रत्येक के लिए 1 अंक होगा। प्रश्न संख्या 2 और 3 प्रत्येक के लिए 5 अंकों के लघु उत्तर प्रकार का होगा। ग्रुप बी में वर्णनात्मक प्रकार के छह प्रश्न होंगे जिनमें से प्रत्येक में पंद्रह अंक होंगे, जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा

इकाई 1: परिचय

1.1: अर्थशास्त्र की विषय वस्तु

1.2: अर्थशास्त्र की प्रकृति और दायरा: सूक्ष्म और स्थूल अर्थशास्त्र, सकारात्मक और मानक अर्थशास्त्र; गतिशील और तुलनात्मक स्थैतिक अर्थशास्त्र।

1.3: अर्थशास्त्र में पद्धति: निगमनात्मक और आगमनात्मक पद्धतियाँ।

1.4: केंद्रीय आर्थिक समस्याएं: कमी और विकल्प, उत्पादन संभावना वक्र

इकाई 2: उपभोक्ता व्यवहार

2.1 कार्डिनल उपयोगिता विश्लेषण: कुल और सीमांत उपयोगिता; सीमांत उपयोगिता ह्रास का नियम: सम-सीमांत उपयोगिता का नियम; उपभोक्ता का संतुलन.

2.2 क्रमवाचक उपयोगिता विश्लेषण: उदासीनता वक्र; बजट बाधाएं; उपभोक्ता का संतुलन।

2.3 मूल्य प्रभाव, प्रतिस्थापन प्रभाव (हिक्स और स्लटस्की); आय प्रभाव।

2.4 आय उपभोग वक्र (आईसीसी) और मूल्य उपभोग वक्र (पीसीसी): सामान्य, निम्न और गिफेन सामान।

2.5 उपभोक्ता का अधिशेष: मार्शल और हिक्स।

यूनिट 3: मांग विश्लेषण

3.1 मांग का अर्थ; कार्डिनल और के तहत व्यक्तिगत मांग वक्र की व्युत्पत्ति सामान्य उपयोगिता विश्लेषण; किसी उत्पाद के लिए बाज़ार मांग वक्र

3.2 मांग का नियम; मांग को प्रभावित करने वाले कारक; मांग में बदलाव, मांग में वृद्धि और कमी; एंगेल्स वक्र;

3.3 मांग की लोच; मूल्य: आय और क्रॉस लोच; प्रभावित करने वाले तत्व मांग की लोच

यूनिट 4: उत्पादन का सिद्धांत

4.1: उत्पादन कार्य: अल्पावधि और दीर्घावधि

4.2: परिवर्तनीय अनुपात का नियम

4.3: पैमाने पर रिटर्न, पैमाने की अर्थव्यवस्थाएं

4.4: कॉब-डगलस उत्पादन फलन: इसके गुण

4.5: आइसोक्वेंट: गुण; आईएसओ- लागत रेखा: निर्माता का संतुलन; विस्तार पथ

सुझाई गई रीडिंग:

1. कार्ल ई. केस और रे सी फेयर, अर्थशास्त्र के सिद्धांत, पियर्सन एजुकेशन इंक।
2. एन. ग्रेगरी मैनकीव, अर्थशास्त्र: सिद्धांत और अनुप्रयोग। सेंटेज लर्निंगइंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी।
3. जोसेफ ई. स्टिग्लिट्ज़ और कार्ल ई. वॉल्श, अर्थशास्त्र, डब्ल्यू.डब्ल्यू. नॉर्मन और कंपनी
4. सी. स्नाइडर और डब्ल्यू. निकोलसन, फ़ंडामेंटल्स ऑफ़ माइक्रो अर्थशास्त्र, सेंगेज लर्निंग, भारत।
5. बी. डगलस बर्नहेम और मिकगेल डी. विंस्टन, सूक्ष्म अर्थशास्त्र, टाटा मैकग्रा हिल, भारत।
6. अल्फ्रेड डब्ल्यू स्टोनियर और डगलस सी. हेग, आर्थिक सिद्धांत की एक पाठ्यपुस्तक, ईएल बीएस और लॉन्गमैन ग्रेड। लिमिटेड
7. एच.एल. आहूजा, एडवांस्ड इकोनॉमिक थ्योरी, एस. चंद प्रकाशन, नई दिल्ली 8. एम.एल.सेठ, माइक्रो इकोनॉमिक्स, लक्ष्मी नारायण प्रकाशन, आगरा।

सेमेस्टर-II

ECOMJ-2

समष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत

पाठ्यक्रम का परिणाम: पूरा होने पर छात्रों में प्रमुख मैक्रोइको की ठोस समझ विकसित होगी राष्ट्रीय आय लेखांकन, कुल मांग और आपूर्ति, मुद्रास्फीति, बेरोजगारी और आर्थिक विकास सहित नाममात्र अवधारणाएँ। छात्र सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) जैसे आर्थिक संकेतकों का विश्लेषण और व्याख्या करने की क्षमता हासिल करेंगे। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई), बेरोजगारी दर और ब्याज दरें। वे समझेंगे कि ये संकेतक किसी अर्थव्यवस्था के समग्र स्वास्थ्य को कैसे दर्शाते हैं।

अंतिम सेमेस्टर परीक्षा (ईएसई 75 अंक, 3 घंटे की परीक्षा) के लिए: प्रश्नों के दो समूह होंगे। ग्रुप ए अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या. 1 अति लघु उत्तरीय होगा, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। प्रश्न क्रमांक 2 एवं 3 प्रत्येक 5 अंक का लघु उत्तरीय होगा। ग्रुप बी में वर्णनात्मक प्रकार के छह प्रश्न होंगे जिनमें से प्रत्येक में पंद्रह अंक होंगे, जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा

मॉड्यूल 1: परिचय

1.1 समष्टि अर्थशास्त्र क्या है?

1.2 किसी अर्थव्यवस्था में व्यापक आर्थिक मुद्दे।

मॉड्यूल 2: राष्ट्रीय आय लेखांकन

1.1 चक्रीय प्रवाह की अवधारणा; सकल घरेलू उत्पाद और राष्ट्रीय आय की अवधारणाएँ; राष्ट्रीय आय और इसका संबंध है

समुच्चय;

1.2 राष्ट्रीय आय का मापन; नाममात्र और वास्तविक आय: सकल घरेलू उत्पाद की सीमाएँ अवधारणा

1.3 सामाजिक लेखांकन की अवधारणा, राष्ट्रीय आय में पर्यावरणीय चिंताएँ, हरित लेखांकन की अवधारणा।

मॉड्यूल 3: उत्पादन और रोजगार का सिद्धांत

3.1 बाजार का नियम और रोजगार का शास्त्रीय सिद्धांत: आलोचनात्मक विश्लेषण और कीन्स की आपत्तियाँ।

3.2 प्रभावी मांग का सिद्धांत: समग्र मांग (एडी) और समग्र आपूर्ति (एएस) की समानता और संतुलन; मितव्ययिता का विरोधाभास

इकाई 4. राजकोषीय और मौद्रिक नीति

4.1 राजकोषीय नीति लक्ष्य और उपकरण

4.2 मौद्रिक नीति के उद्देश्य, लक्ष्य और साधन

सुझाया गया पाठ्य-

1. कीन्स और पोस्ट-कीनेसियन अर्थशास्त्र- आर.डी. गुप्ता, कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली
2. मैक्रो इकोनॉमिक थ्योरी एंड पॉलिसी - विलियम एच. ब्रैनसन, ए.आई.टी.बी.एस. प्रकाशक, नई दिल्ली
3. मैक्रो इकोनॉमिक एनालिसिस - एडवर्ड शापिरो, गलगोटिया प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मनी एंड बैंकिंग: थ्योरी विद इंडियन बैंकिंग - टी.एन.हजेला, अने बुक्स भारत
5. मैक्रो इकोनॉमिक एनालिसिस के.सी.राणा और के.एन.वर्मा, विशाल पब्लिशिंग हाउस, जालंधर
6. एन, ग्रेगरी मैनकीव, मैक्रोइकॉनॉमिक्स, वूथ पब्लिशर्स, 7वां ससंस्करण 2010.
7. ओलिवर ब्लैंचेड, मैक्रोइकॉनॉमिक्स, पियर्सन एडू
8. केशन, इंक., 5वां संस्करण, 2009.
9. एंड्रयू बी. एबेल और बेन एस. बर्नानके, मैक्रोइकॉनॉमिक्स, पियर्सन एजुकेशन्स, इंक., 7वां संस्करण, 2011

सेमेस्टर II

ECOMJ-3

<u>भारतीय अर्थव्यवस्था</u>

<u>पाठ्यक्रम का परिणाम:</u> भारतीय अर्थव्यवस्था पर पाठ्यक्रम भारतीय अर्थव्यवस्था के सभी पहलुओं पर विकास और प्रदर्शन से संबंधित मुद्दों की जांच करता है। यह विकास अर्थशास्त्र की अवधारणाओं पर आधारित है। यह पाठ्यक्रम काफी विस्तृत है और भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर छात्रों की सामान्य जागरूकता बढ़ाने के लिए उपयोगी है।

अंतिम सेमेस्टर परीक्षा (ईएसई 75 अंक, 3 घंटे की परीक्षा) के लिए: प्रश्नों के दो समूह होंगे समूह ए अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या. 1 अति लघु उत्तरीय होगा, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। प्रश्न क्रमांक 2 एवं 3 प्रत्येक 5 अंक का लघु उत्तरीय होगा। ग्रुप बी में वर्णनात्मक प्रकार के छह प्रश्न होंगे जिनमें से प्रत्येक में पंद्रह अंक होंगे, जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा

इकाई 1 भारतीय अर्थव्यवस्था की रूपरेखा

1.1 भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रकृति, संरचना और विशेषता

1.2 प्राकृतिक संसाधन- भारत की भूमि, जल, वन और खनिज संसाधन।

1.3 भारतीय विकास दर, जीडीपी, पीसीआई की प्रगति और रुझान

यूनिट 2 जनसांख्यिकी

2.1 भारत की जनसंख्या: आकार, और विकास के रुझान, वर्तमान जनगणना

2.2 जनसांख्यिकीय संक्रमण; जनसंख्या एवं आर्थिक विकास, उपाय जनसंख्या का तीव्र विकास भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष

2.3 समस्याएँ-गरीबी। बेरोजगारी, असमानता और उसके समाधान।

यूनिट 3 भारत और कृषि

3.1 भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका, कृषि उत्पादन और उत्पादकता में रुझान, भारत में फसल पैटर्न।

3.2 हरित क्रांति, हरित क्रांति का प्रभाव

3.3 भारत में नई कृषि नीति, कृषि कीमतों में रुझान

3.4 खाद्य सुरक्षा की समस्या, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, पीडीएस प्रणाली और इसकी प्रभाव

यूनिट 4 भारतीय उद्योग और विदेश व्यापार

4.1 औद्योगिक उत्पादन की प्रवृत्तियाँ, औद्योगिक विकास की समस्याएँ भारत में।

4.2 भारत में लघु एवं कुटीर उद्योगों की भूमिका एवं प्रदर्शन अर्थव्यवस्था और उनके सामने आने वाली समस्याएँ।

4.3 नई औद्योगिक नीति, नई औद्योगिक नीति का मूल्यांकन, निजीकरण और भारत में विनिवेश नीति, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व।

4.4 विदेश व्यापार की संरचना, व्यापार की दिशा, 1991 से भारत के भुगतान संतुलन की स्थिति, चुनौतियाँ और दृष्टिकोण।

4.5 विदेश व्यापार नीति, विदेशी पूंजी की आवश्यकता, विदेशी निवेश प्रवाह।

सुझाई गई पुस्तकें-

1. भगवती, जे (2012): भारत में सुधार और आर्थिक परिवर्तन।
2. ब्रह्मानंद, पी.आर. और पंचमुखी, वी.आर. (2001) भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास का अनुभव: अंतरराज्यीय परिप्रेक्ष्य, बुकवेल दिल्ली।
3. गोयल, आशिमा (2015): 21वीं सदी में भारतीय अर्थव्यवस्था की एक संक्षिप्त पुस्तिका।
4. दांतवाला, एम.एल. (1996): विकास की दुविधाएँ भारतीय अनुभव, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली।
5. पुरी, वी.के. और मिश्रा, एस.के. (2018): इंडियन इकोनॉमी, हिमालय पब्लिशिंग हाउस। (हिन्दी/अंग्रेजी)
6. दत्त, आर. और महाजन, बी.डी. (2018): भारतीय अर्थव्यवस्था, एस. चंद प्रकाशन, नई दिल्ली। (हिन्दी/अंग्रेजी)
7. योजना (हिन्दी/अंग्रेजी)- एक मासिक पत्रिका।
8. कुरूक्षेत्र (हिन्दी/अंग्रेजी) - ग्रामीण विकास का एक मासिक जर्नल
9. आर्थिक सर्वेक्षण, सरकार। भारत का (हिन्दी/अंग्रेजी)

सेमेस्टर- तृतीय

ECOMJ-4

<u>अर्थशास्त्र के लिए परिचयात्मक सांख्यिकी</u>

पाठ्यक्रम परिणाम: छात्र मात्रात्मक आर्थिक डेटा की पहचान, संकलन, व्याख्या और विश्लेषण करना सीखेंगे आर्थिक संबंध का आकलन करने के लिए माध्य, माध्यिका, मोड और उन्नत प्रतिगमन विश्लेषण जैसी सांख्यिकीय विधियों का उपयोग करना जहा जों। छात्रों को सांख्यिकी की सैद्धांतिक अवधारणाएँ, उपकरण और विधियाँ प्रदान की जाएंगी।

अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के लिए (ESE 75 अंक, 3Hrs परीक्षा): प्रश्नों के दो समूह होंगे। ग्रुप ए अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 बहुत ही लघु उत्तर प्रकार का 1 अंक होगा प्रत्येक प्रश्न संख्या 2 और 3 5 अंकों का लघु उत्तरीय प्रकार होगा प्रत्येक समूह बी में वर्णनात्मक प्रकार के छह प्रश्न होंगे जिनमें से प्रत्येक में पंद्रह अंक होंगे, जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना है

यूनिट 1: सांख्यिकी का परिचय

1.1: सांख्यिकी की परिभाषा और दायरा

1.2: डेटा का संग्रहण-प्राथमिक और द्वितीयक डेटा; प्राथमिक और द्वितीयक डेटा एकत्र करने के तरीके

1.3: प्राथमिक डेटा एकत्र करने के तरीके- जनगणना और नमूना लेने के तरीके; नमूने के तरीके

1.4: डेटा का वर्गीकरण और सारणीकरण

1.5: डेटा की प्रस्तुति - सारणीबद्ध; आरेखीय और ग्राफिक

यूनिट 2: यूनीवेरिएट विश्लेषण

2.1: केंद्रीय प्रवृत्ति के उपाय- सामंतर मध्य, मध्यिका, बहुलक, गुणोत्तर मध्य, हरात्मक मध्य

2.2: प्रसार के उपाय- श्रेणी, मध्य विचलन, मानक विचलन

2.3: भिन्नता और चतुर्थक विचलन का गुणांक

2.4: तिरछापन और कुर्तोसिस

यूनिट 3: द्विभाजित विश्लेषण

3.1: सहसंबंध- परिभाषा, प्रकार; कार्ल पियर्सन और रैंक सहसंबंध

3.2: गुणांक; सहसंबंध के गुण

3.3: प्रतिगमन- प्रतिगमन की रेखाएँ; न्यूनतम वर्ग विधि और

3.4: प्रतिगमन गुणांक की व्याख्या

यूनिट 4: संभावना

4.1: बुनियादी अवधारणाएँ- यादृच्छिक प्रयोग, नमूना स्थान और घटनाएँ

4.2: प्रायिकता की परिभाषा- शास्त्रीय, सांख्यिकीय और स्वयंसिद्ध

4.3: प्रायिकता- जोड़ और गुणन प्रमेय के नियम, बेज़ प्रमेय

सुझाई गई रीडिंग:-

1. अर्थशास्त्र के लिए सांख्यिकी, एनएम शाह, आर्य प्रकाशन
2. शाउम की रूपरेखा सिद्धांत और सांख्यिकी की समस्याएं, मरे आर. स्पीगल, लैरी जे. स्टीफेंस, टाटा मैकग्रा- हिल संस्करण
3. बेसिक स्टैटिस्टिक्स, बी.एल.अग्रवाल, न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिशर्स

4. मात्रात्मक तकनीकें (हिंदी संस्करण)। डॉ. बी.एन. गुप्ता, एसबीपीडी प्रकाशन
5. व्यापार सांख्यिकी, वीसी सिन्हा और आलोक गुप्ता, एसपीबीडी प्रकाशन
6. फंडामेंटल्स ऑफ स्टैटिस्टिक्स, एससी गुप्ता, हिमालया पब्लिशिंग हाउस

सेमेस्टर-III

ECOMJ-5

<u>सार्वजनिक वित्त</u>

पाठ्यक्रम परिणाम: सरकारी गतिविधियों के विभिन्न पहलुओं और उनके मूल्यांकन के बारे में छात्रों की सैद्धांतिक और अनुभवजन्य समझ में सरकार की बढ़ती भूमिका को ध्यान में रखते हुए अर्थव्यवस्था, इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य उत्पन्न करना है सार्वजनिक वित्त भारतीय अर्थव्यवस्था के विशेष संदर्भ में ऋण तर्कसंगतता इसमें अंतिम सेमेस्टर परीक्षा (ईएसई 75 अंक, 311 आरएस परीक्षा) के लिए सार्वजनिक अर्थशास्त्र, सार्वजनिक व्यय, सार्वजनिक राजस्व और सार्वजनिक की मूलभूत अवधारणाओं को शामिल किया गया है:

अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के लिए (ESE 75 अंक, 3Hrs परीक्षा): प्रश्नों के दो समूह होंगे। ग्रुप ए अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 अति लघु उत्तरीय प्रश्न होगा जिसमें प्रत्येक के लिए 1 अंक प्रश्न संख्या 2 और 3 प्रत्येक 5 अंकों का लघु उत्तर प्रकार होगा। ग्रुप बी में वर्णनात्मक प्रकार के छह प्रश्न पंद्रह अंकों के होंगे, जिनमें से प्रत्येक जिसका उत्तर किन्हीं चार को देना है।

यूनिट 1: सार्वजनिक वित्त की प्रकृति और कार्यक्षेत्र

1.1: लोक वित्त का अर्थ और कार्यक्षेत्र।

1.2: निजी और सार्वजनिक वित्त के बीच अंतर: सार्वजनिक सामान और निजी सामान; योग्यता माल। फ्री राइडर्स की समस्या

1.3: अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धांत।

1.4 बाजार की विफलता, सरकार की भूमिका।

यूनिट 2: सार्वजनिक व्यय

2.1 सार्वजनिक व्यय का अर्थ, वर्गीकरण और सिद्धांत।

2.2 सिद्धांत: सार्वजनिक व्यय के प्रभाव।

2.3. सार्वजनिक व्यय में वृद्धि के कारण, भारत में सार्वजनिक व्यय में रुझान।

यूनिट 3: कराधान

3.1 कराधान: अर्थ, कराधान के सिद्धांत; करों का वर्गीकरण।

3.2: कर भार का विभाजन-लाभ दृष्टिकोण; क्षमता-से-भुगतान दृष्टिकोण।

3.3: करों का प्रभाव और घटना, कर योग्य क्षमता, कराधान के प्रभाव

3.4: एक अच्छी कर प्रणाली के लक्षण; भारत में केंद्र और राज्य सरकारों के कर राजस्व में प्रमुख रुझान; भारतीय कर प्रणाली में दोष; कर सुधार; जीएसटी और वैट

यूनिट 4: लोक ऋण और वित्तीय प्रशासन

4.1 सार्वजनिक ऋण: अर्थ, प्रकार, स्रोत और आवश्यकता।

4.2: सार्वजनिक ऋण के प्रभाव; सार्वजनिक ऋण का बोझ।

4.3: ऋण मोचन के तरीके।

4.4: सार्वजनिक बजट-बजट के प्रकार; बजट का आर्थिक और कार्यात्मक वर्गीकरण; की तैयारी भारत में बजट, वर्तमान बजट विश्लेषण

सुझाई गई रीडिंग-

1.एस.के. सिंह-लोक विट (हिंदी), एस चंद

2. एस.के.सिंह-पब्लिक फाइनेंस इन थ्योरी एंड प्रैक्टिस, एस चंद

3. मुसाग्रेव आर.ए. एंड मस्ग्रेव पी.बी.- पब्लिक फाइनेंस इन थ्योरी एंड प्रैक्टिस मैकग्रा हिल

4. एचएल भाटिया पब्लिक फाइनेंस, विकास पब्लिशिंग हाउस

5. एचएल भाटिया लोक विट, विकास पब्लिशिंग हाउस

6.केपीएम सुंदरम और के के एंडली पब्लिक फाइनेंस, एस चंद

7. डॉ बीपी त्यागी- पब्लिक फाइनेंस- जय प्रकाश नाथ एंड कंपनी

सेमेस्टर- IV

ECOMJ-6

मुद्रा और बैंकिंग

अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के लिए (ESE 75 अंक, 3Hrs परीक्षा): प्रश्नों के दो समूह होंगे ग्रुप ए अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 अति लघु उत्तरीय प्रश्न होगा जिसमें प्रत्येक के लिए 1 अंक होगा। प्रश्न संख्या 2 और 3 प्रत्येक 5 अंकों का लघु उत्तर प्रकार होगा। ग्रुप बी में वर्णनात्मक प्रकार के छह प्रश्न पंद्रह अंकों के होंगे, जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना है

यूनिट 1: पैसा

1.1: धन: अर्थ और कार्य: पूंजीवादी, समाजवादी और मिश्रित अर्थव्यवस्थाओं में धन की भूमिका।

1.2: धन की मात्रा सिद्धांत: नकद लेनदेन दृष्टिकोण और नकद शेष दृष्टिकोण।

1.3: पैसे और कीमतों का केनेसियन सिद्धांत।

यूनिट 2: सेंट्रल बैंकिंग

2.1: आरबीआई के संदर्भ में सेंट्रल बैंक के उद्देश्य, कार्य और सीमाएं।

2.2: धन की आपूर्ति: अवधारणा, घटक और समुच्चय; धन गुणक

2.3: ऋण नियंत्रण की मात्रात्मक और गुणात्मक विधियाँ।

2.4: मुद्रा बाजार के उद्देश्य, कार्य और सीमाएं: भारत के विशेष संदर्भ में विकसित और विकसित।

यूनिट 3: वाणिज्यिक बैंकिंग

3.1: वाणिज्यिक बैंकों का अर्थ, प्रकार, कार्य और सिद्धांत,

3.2: एक वाणिज्यिक बैंक की संरचना और बैलेंस शीट; संपत्ति और देताएं

3.3: साख सृजन की प्रक्रिया।

3.4: भारत में वाणिज्यिक बैंकिंग: स्वतंत्रता के बाद से बैंकिंग क्षेत्र का मूल्यांकन; राष्ट्रीयकरण के बाद वाणिज्यिक बैंकिंग का महत्वपूर्ण मूल्यांकन, हालिया बैंकिंग सुधार।

यूनिट 4: वित्तीय बाजार

4.1: बैंकिंग प्रणाली; बांड बाजार, विदेशी मुद्रा बाजार, इक्विटी बाजार-अवधारणाओं।

4.2: डेरिवेटिव की अवधारणा का परिचय। 43: वायदा; विकल्प, कॉल/पुट।

सुझाई गई रीडिंग-

1.पैसे, बैंकिंग और वित्तीय बाजारों का अर्थशास्त्र फ्रेडरिक एस मिश्किन (पियर्सन)

2.पैसे पर एक ग्रंथ - जे एम कीन्स

3. वित्तीय बाजार, बैंकिंग और मौद्रिक नीति- थॉमस डी सिम्पसन

4.मौद्रिक अर्थशास्त्र-संस्थाएं, सिद्धांत और नीति- टी.टी.सेठी (एस.चंद एंड कंपनी)

5.मौद्रिक अर्थशास्त्र- एमएल सेठ एचएन। ईडी। (लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा)

6. वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट- आरबीआई

7.मौद्रिक नीति रिपोर्ट-RBI

सेमेस्टर-IV

ECOMJ-7

पर्यावरणीय अर्थशास्त्र

पाठ्यक्रम परिणाम: मैक्रो इकोनॉमिक्स ॥ पेपर कुछ उन्नत मुद्दों और नीतियों का सैद्धांतिक आधार प्रदान करता है। यह पेपर आर्थिक समुच्चय के बीच कार्यात्मक संबंधों पर चर्चा करने का प्रयास करता है। यह उच्च स्तर पर सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य में अर्थव्यवस्था की समग्र संरचना को समझने में मदद करता है।

अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के लिए (ESE 75 अंक, 3Hrs परीक्षा): प्रश्नों के दो समूह होंगे ग्रुप ए अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न न. मैं 1 अंक का बहुत ही लघु उत्तरीय प्रश्न पूछूंगा। प्रश्न संख्या 2 और 3 प्रत्येक 5 अंकों का लघु उत्तर प्रकार होगा। ग्रुप बी में वर्णनात्मक प्रकार के छह प्रश्न पंद्रह अंकों के होंगे, जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना है

यूनिट 1: परिचय

1.1 पर्यावरण अर्थशास्त्र का अर्थ और दायरा

1.2 पर्यावरणीय वस्तुओं का अर्थ और विशेषताएँ।

1.2 नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय संसाधन

1.4 आम संपत्ति संसाधन

1.5 आर्थिक विकास और पर्यावरण- टू वे लिंकेज

यूनिट 2: पर्यावरणीय बाह्यताएं

2.1 बाह्यताएँ और बाज़ार विफलता: नकारात्मक और सकारात्मक बाह्यताएँ

2.2 पारेतो अनुकूलता और बाह्यताओं की उपस्थिति में बाज़ार विफलता

2.3 पिगौवियन कर और सब्सिडी

2.4 सतत विकास-अवधारणा और संकेतक

यूनिट 3: पर्यावरणीय मुद्दे

3.1 पर्यावरण ह्रास - भूमि, वन और प्राकृतिक संसाधन निम्नीकरण,

3.2 पर्यावरणीय गिरावट के कारण, प्रभाव और समाधान

3.3 प्रदूषण की समस्याएं- वायु और जल प्रदूषण।

यूनिट 4: पर्यावरण नीतियां

4.1 राष्ट्रीय पर्यावरण नीति। जल और वन नीति

4.2 विश्व व्यापार संगठन और पर्यावरण।

4.3 जलवायु परिवर्तन और अंतर्राष्ट्रीय समझौते।

4.4 ग्रोन जीडीपी: कार्बन फुट प्रिंट: पर्यावरण हरित लेखा

सुझाई गई रीडिंग-

1.गणेश मूर्ति प्रकाशन, वीएस पर्यावरण अर्थशास्त्र में भारत, नई सदी प्रकाशन

2.भट्टाचार्य, आर.एन. पर्यावरण अर्थशास्त्र-एक भारतीय परिप्रेक्ष्य, ऑक्सफोर्ड विश्व - विद्यालय का मुद्रणालय.
3. टी. यूजीन, पर्यावरण अर्थशास्त्र, वृंदा प्रकाशन
4. बॉमल, डब्ल्यूजे। &हम ऊट्स, पर्यावरण नीति का सिद्धांत। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस
5. चार्ल्स डी. कोलस्टेड, इंटरमीडिएट पर्यावरण अर्थशास्त्र, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस
6.एन. हैनली जेसन एफ, और शोग्रेन, सिद्धांत और व्यवहार में पर्यावरण अर्थशास्त्र, मैकमिलन एजुकेशन यूके
7. अवस्थी एन.एम. पर्यावरण अध्ययन (हिंदी), लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
8. मुहतुकृष्णन सुभाषिनी, पर्यावरण का अर्थशास्त्र, मीडियामैटिक्स

अर्थशास्त्र (ऑनर्स) एफवाईयूजीपी पाठ्यक्रम बीबीएमके विश्वविद्यालय

सेमेस्टर IV

ECOMJ-8

झारखंड की अर्थव्यवस्था

पाठ्यक्रम का परिणाम: यह पाठ्यक्रम झारखंड की अर्थव्यवस्था का गहन ज्ञान प्रदान करेगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों को उनकी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के बारे में जानने में सहायक होगा। छात्रों को ग्रामीण विकास से संबंधित बुनियादी अवधारणाओं के बारे में पता चलेगा और ग्रामीण स्थिति और भारत में ग्रामीण विकास की आवश्यकता के बारे में उचित समझ विकसित होगी।

अंतिम सेमेस्टर परीक्षा (ईएसई 75 अंक। 3 घंटे की परीक्षा) के लिए प्रश्नों के दो समूह होंगे समूह ए अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे प्रश्न संख्या। मैं प्रत्येक 1 अंक का अति लघु उत्तरीय प्रश्न होगा। प्रश्न संख्या 2 और 3 लघु उत्तरीय होंगे, प्रत्येक 5 अंक का होगा। समूह बी में वर्णनात्मक प्रकार के छह प्रश्न होंगे, जिनमें से प्रत्येक पंद्रह अंक का होगा, जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

यूनिट 1: झारखंड की अर्थव्यवस्था और इसका विकास

1.1 झारखंड की अर्थव्यवस्था का विकास: झारखंड की अर्थव्यवस्था की संरचना और बुनियादी विशेषताएं, क्षेत्रीय संरचना

1.2. 2000 के बाद से एसडीपी और प्रति व्यक्ति एनएसडीपी में वृद्धि, झारखंड में सार्वजनिक वित्त रुझान

1.3 झारखण्ड में कृषि की संरचना, उत्पादन एवं उत्पादकता, झारखंड में कृषि विकास।

1.4. झारखंड में औद्योगिक विकास; झारखण्ड में औद्योगिक विकास की मुख्य समस्याएँ, झारखण्ड में औद्योगिक नीति

यूनिट 2: झारखंड की जनसांख्यिकीय विशेषताएं

2.1 जनसंख्या वृद्धि, घनत्व और क्षेत्रीय वितरण

2.2 साक्षरता लिंगानुपात। कार्यबल की संरचना, ग्रामीण शहरी रचना-उनकी वर्तमान स्थिति और विशेष संदर्भ के साथ परिवर्तन 2001 और 2011 की जनगणना। उनकी अंतर जिला विविधताएँ

2.3. झारखंड में जनजातीय जनसंख्या मुख्य जनजातियाँ; जनसांख्यिकीय राज्य में जनजातीय जनसंख्या की विशेषताएं.

यूनिट 3: झारखंड में गरीबी और बेरोजगारी

3.1 झारखंड में गरीबी की स्थिति: झारखंड में प्रमुख गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम और उनके परिणाम मनरेगा, पीएमजीएसवाई, एनआरएलएम।

3.2. झारखंड में बेरोजगारी- ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में स्थिति और प्रवृत्ति-

3.3. झारखंड में खाद्य सुरक्षा की स्थिति; खाद्य सुरक्षा योजनाएँ. झारखंड में बाल और महिला कुपोषण,

3.4. ग्रामीण और शहरी में शिक्षा और स्वास्थ्य संकेतकों की स्थिति झारखंड के क्षेत्र-साक्षरता दर, नामांकन अनुपात, मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर, बाल मृत्यु दर झारखंड आदि

3.5 झारखंड में ग्रामीण-शहरी प्रवासन और अंतरराज्यीय प्रवासन। प्रवासन के कारण

यूनिट 4: झारखंड में भूमि, वन और पर्यावरण संबंधी मुद्दे

4.1 भूमि सुधार और कृषि संबंध

4.2. आदिवासी और अलगाव,

4.3. विकास प्रेरित विस्थापन: प्रभाव और नीतिगत पहल

4.4. वन मुद्दे और एफआरए का कार्यान्वयन,

4.5 पर्यावरण राज्य में पतन एवं नीति

रीडिंग:

1. झारखण्ड सामान्य ज्ञान। मनीष रंजन
2. झारखंड के माइक्रो प्लानिंग, कुणाल विक्रम
3. झारखंड-भूमि और लोग, राज कुमार और एस राम, अर्जुन प्रकाशन
4. झारखंड- एक राज्य अध्ययन गाइड, नीरज कुमार झा, जीवन संस प्रकाशन डिस्ट्रिक्ट गजेटियर ऑफ झारखंड, एससी भट्ट, ज्ञान पब्लिशिंग हाउस
5. बिहार और झारखंड का विकास, शरत कुमार, प्रवीण कुमार झा, शिप्रा प्रकाशन

Minor Papers					
Year	*Semester*	***Paper Code***	***Title of the Paper***	***Theory***	***Credits***
1st	*I*	*ECO-MN-1A*	*Introductory Economics*	*Theory*	*4 Credits*
2nd	*III*	*ECO-MN-2B*	*Money and Banking*	*Theory*	*4 Credits*

सेमेस्टर-1

ECO-MN-1A

परिचयात्मक अर्थशास्त्र

पाठ्यक्रम का परिणाम पाठ्यक्रम छात्रों को आर्थिक सिद्धांत के बुनियादी सिद्धांतों से परिचित कराता है। यह इस बात पर जोर देता है कि अर्थशास्त्री कैसे सोचते हैं, उपभोक्ता और कंपनियां कैसे निर्णय लेते हैं और आउटपुट और इनपुट बाजारों में कैसे बातचीत करते हैं।

अंतिम सेमेस्टर परीक्षा (ईएसई 100 अंक, 3 घंटे की परीक्षा) के लिए: दो समूह होंगे प्रश्न ग्रुप ए अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या. में करूँगा प्रत्येक 1 अंक का अति लघु उत्तरीय प्रकार हो। प्रश्न संख्या 2 एवं 3, 5 की तरह लघु उत्तरीय होंगे मार्क्स कैश, ग्रुप बी में वर्णनात्मक प्रकार के छह प्रश्न होंगे जिनमें से प्रत्येक में बीस अंक होंगे जिसका उत्तर किन्हीं चार को देना है।

इकाई 1: परिचय

1.1. अर्थशास्त्र की विषय वस्तु और पद्धतियाँ

1.2. अर्थशास्त्र की प्रकृति और दायरा

1.3. केन्द्रीय आर्थिक समस्याएँ; उत्पादन संभावना वक्र

इकाई 2: उपभोक्ता व्यवहार

2.1: कार्डिनल उपयोगिता विश्लेषण: कुल और सीमांत उपयोगिता; सीमांत उपयोगिता ह्रास का नियम: सम-सीमांत उपयोगिता का नियम, उपभोक्ता का संतुलन

2.2: क्रमवाचक उपयोगिता विश्लेषण: उदासीनता वक्र और उसके गुण, बजट बाधाएं; उपभोक्ता का संतुलन, मूल्य प्रभाव, आय और प्रतिस्थापन प्रभाव

2.3: व्यक्तिगत और बाजार की मांग और आपूर्ति; व्यक्तिगत मांग और आपूर्ति के निर्धारक 24: मांग और आपूर्ति का नियम, मांग और आपूर्ति में बदलाव

यूनिट 3: उत्पादन का सिद्धांत

3.1: उत्पादन कार्य: अल्पावधि और दीर्घावधि।

3.2: परिवर्तनीय अनुपात का निम्न होना;

3.3: पैमाने पर रिटर्न: पैमाने की अर्थव्यवस्थाएँ।

3.4: आइसोक्वेंट विश्लेषण; आईएसओ-लागत रेखा; निर्माता का संतुलन

यूनिट 4: लागत और राजस्व का सिद्धांत

4.1: लागत की अवधारणाएं और उनका अंतर-संबंध: अल्पावधि और दीर्घावधि।

4.2: राजस्व की अवधारणाएं और उनका अंतर-संबंध: ब्रेक-ईवन विश्लेषण।

सुझाई गई पुस्तकें-

1 कार्ल ई. केस और रे सी फेयर, अर्थशास्त्र के सिद्धांत, पियर्सन एजुकेशन इंक.

2 एन. ग्रेगरी मैनकीव, अर्थशास्त्र: सिद्धांत और अनुप्रयोग, सेंटेज लर्निंगइंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

3 बी. डगलस बर्नहेम और मिकगेल डी. विंस्टन, सूक्ष्म अर्थशास्त्र। टाटा मैंकग्रा हिल, भारत।
4 अल्फ्रेड डब्ल्यू. स्टोनियर और डगलस सी. हेग, एक पाठ्यपुस्तक
5 थ्योरी, ईएल बीएस और लॉन्गमैन जीआर। लिमिटेड
6 एच.एल. आहूजा, एडवांस्ड इकोनॉमिक थ्योरी, एस. चंद प्रकाशन, नई दिल्ली
7 एम.एल.सेठ, सूक्ष्म अर्थशास्त्र, लक्ष्मी नारायण प्रकाशन, आगरा सूक्ष्म अर्थशास्त्र-डॉ. जे.पी.मिश्रा एच.एन. सं.- साहित्य भवन
8 प्रकाशन द इकोनॉमिक्स ऑफ मनी, बैंकिंग एंड फाइनेंशियल मार्केट्स फ्रेडरिक एस मिश- परिजन (पियर्सन)
9 धन पर एक ग्रंथ- जे एम कीन्स
10 मौद्रिक अर्थशास्त्र- संस्थाएं, सिद्धांत और नीति- टी.टी. सेठी (एस.चंद और कंपनी)
11 मौद्रिक अर्थशास्त्र- एमएल सेठ एचएन। ईडी। (लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा)
12 वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट- आरबीआई, मौद्रिक नीति रिपोर्ट- आरबीआई
13 गोयल, आशिमा (2015): भारतीय अर्थव्यवस्था की एक संक्षिप्त पुस्तिका 21 वीं सदी।
14 पुरी, वी.के. और मिश्रा, एस.के. (2018): इंडियन इकोनॉमी, हिमालय पब-लिशिंगहाउस। (हिन्दी/अंग्रेजी)
15 दत्त, आर. और महाजन, बी.डी. (2018): भारतीय अर्थव्यवस्था, एस. चंद प्रकाशन, नई दिल्ली। (हिन्दी/अंग्रेजी)
16 योजना (हिन्दी/अंग्रेजी)- एक मासिक पत्रिका।
17 कुरूक्षेत्र (हिन्दी/अंग्रेजी) - ग्रामीण विकास की एक मासिक पत्रिका।

सेमेस्टर-III

ECN-MN-2B

पैसा और बैंकिंग

पाठ्यक्रम का परिणाम यह पाठ्यक्रम अर्थव्यवस्था पर धन के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें ब्याज दरें, मुद्रास्फीति और बैंकिंग व्यवस्था शामिल है। छात्र धन सृजन की प्रक्रिया में केंद्रीय और वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका सीखेंगे और अंतिम सेमेस्टर परीक्षा (ईएसई 100 अंक 3 घंटे की परीक्षा) के लिए कोई समूह नहीं होगा

प्रश्न ग्रुप ए अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे प्रश्न संख्या। मैं 1 अंक का अति लघु उत्तरीय प्रश्न होगा, प्रश्न संख्या 2 और 3 प्रत्येक एस अंक के लघु उत्तर प्रकार के होंगे, समूह 8 में वर्णनात्मक प्रकार के छह प्रश्न होंगे, जिनमें से प्रत्येक बीस अंक का होगा।

यूनिट 1: पैसा

1.3 धन: धन का अर्थ और कार्य, धन के प्रकार

1.2 धन नकद लेनदेन दृष्टिकोण और नकद शेष राशि का मात्रा सिद्धांत-प्रचार

1.3 धन की आपूर्ति - परिभाषाएँ एवं निर्धारक, उच्च शक्ति धन

यूनिट 2: मुद्रास्फीति

2.1: परिभाषा, प्रकार, मामले और मुद्रास्फीति के प्रभाव

2.2: महँगाई पर काबू पाने के उपाय

2.3: मुद्रास्फीतिकारी गोप की अवधारणा

यूनिट 3: सेंट्रल बैंकिंग

3.1: आरबीआई के संदर्भ में केंद्रीय बैंक के उद्देश्य और कार्य 3.2: क्रेडिट नियंत्रण के गुणात्मक और गुणात्मक तरीके

यूनिट 4: वाणिज्यिक बैंकिंग

4.1: वाणिज्यिक बैंकों के प्रबंधन के प्रकार और कार्य

4.2: क्रेडिट निर्माण की प्रक्रिया

4.3: राष्ट्रीयकरण और हालिया बैंकिंग सुधारों के बाद वाणिज्यिक बैंकिंग का महत्वपूर्ण मूल्यांकन

सुझाई गई रीडिंग

1) मनी बैंकिंग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सार्वजनिक वित्त, एमआई सेठ। लक्ष्मी नारायण अग्रवाल
2) मुद्रा बैंकिंग और अंतरराष्ट्रीय व्यापार डॉ. टी.टी. सेठी, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल
3) अर्थशास्त्र, डॉ. वी.सी.सिन्हा और डॉ. पुष्पा सिन्हा, एसबीपीडी प्रकाशन

बहुविषयक पाठ्यक्रम
ECO-MDC
परिचयात्मक अर्थशास्त्र

क्रेडिट 03, व्याख्यान 45, अंक:75(ईएसई)
पास मार्क्स: 30

पाठ्यक्रम का परिणाम: इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सूक्ष्मअर्थशास्त्र और मैक्रोइकॉनॉमिक्स की बुनियादी अवधारणाओं से परिचित कराना है। यह पाठ्यक्रम धन, बैंकिंग मुद्रास्फीति आदि से संबंधित प्रारंभिक अवधारणाओं पर चर्चा करता है। छात्र समझेंगे कि अर्थव्यवस्था में कमी की स्थितियों के तहत व्यक्तियों और फर्मों द्वारा वास्तविक जीवन में इष्टतम निर्णय कैसे लिए जाते हैं।

अंतिम सेमेस्टर परीक्षा (ईएसई 75 अंक, 3 घंटे की परीक्षा) के लिए: प्रश्नों के दो समूह होंगे। ग्रुप ए अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या. में प्रत्येक 1 अंक का अति लघु उत्तरीय प्रश्न होगा। प्रश्न संख्या 2 और 3 लघु उत्तरीय होंगे, प्रत्येक 5 अंक का होगा। समूह बी में वर्णनात्मक प्रकार के छह प्रश्न होंगे, जिनमें से प्रत्येक पंद्रह अंक का होगा, जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई 1: परिचय

1.1 अर्थशास्त्र की विषय वस्तु एवं पद्धतियाँ
1.2 अर्थशास्त्र की प्रकृति एवं कार्यक्षेत्र
1.3 केन्द्रीय आर्थिक समस्याएँ; उत्पादन संभावना वक्र

इकाई 2: उपभोक्ता व्यवहार

2.1: कार्डिनल उपयोगिता विश्लेषण: घटती सीमांत उपयोगिता का नियम; सम-सीमांत उपयोगिता का नियम. उपभोक्ता का संतुलन
2.2: क्रमवाचक उपयोगिता विश्लेषण: उदासीनता वक्र और उसके गुण, उपभोक्ता का संतुलन
2.3: व्यक्तिगत और बाजार मांग और आपूर्ति: व्यक्तिगत मांग के निर्धारक और आपूर्ति
2.4: मांग और आपूर्ति का नियम, मांग और आपूर्ति में बदलाव

यूनिट 3: पैसा और मुद्रास्फीति

3.1 पैसा: पैसे का अर्थ और कार्य, पूंजीवाद में पैसे की भूमिका, समाजवादी एवं मिश्रित अर्थशास्त्र
3.2 धन की मात्रा सिद्धांत: नकद लेनदेन दृष्टिकोण और नकद शेष एपी-प्रचार
3.3 मुद्रास्फीति की परिभाषा, प्रकार, कारण और प्रभाव
3.4 मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के उपाय

यूनिट 4 बैंकिंग

4.1: सेंट्रल बैंक के उद्देश्य और कार्य
4.2: ऋण नियंत्रण के मात्रात्मक और गुणात्मक तरीके
4.3: वाणिज्यिक बैंकों के अर्थ, प्रकार और कार्य

सुझाई गई पुस्तकें-

1. कार्ल ई. केस और रे सी फेयर, अर्थशास्त्र के सिद्धांत, पियर्सन एजुकेशन इंक।
2. एन. ग्रेगरी मैनकीव, अर्थशास्त्र: सिद्धांत और अनुप्रयोग, सेंटेज लर्निंगइंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

3. बी. डगलस बर्नहेम और मिकगेल डी. विंस्टन, सूक्ष्म अर्थशास्त्र, टाटा मैकग्रा हिल, भारत।
4. अल्फ्रेड डब्ल्यू स्टोनियर और डगलस सी. हेग, आर्थिक सिद्धांत की एक पाठ्यपुस्तक, ईएल बीएस और लॉन्गमैन ग्रेड। लिमिटेड
5. एच.एल. आहूजा, एडवांस्ड इकोनॉमिक थ्योरी, एस. चंद प्रकाशन, नई दिल्ली
6. एम.एल.सेठ, सूक्ष्म अर्थशास्त्र, लक्ष्मी नारायण प्रकाशन, आगरा।
7. सूक्ष्म अर्थशास्त्र-डॉ. जे.पी.मिश्रा एच.एन. सं.-साहित्य भवन प्रकाशन
8. धन, बैंकिंग और वित्तीय बाजारों का अर्थशास्त्र - फ्रेडरिक एस मिशकिन (पियर्सन)
9. धन पर एक ग्रंथ - जे एम कीन्स
10. मौद्रिक अर्थशास्त्र- संस्थाएं, सिद्धांत और नीति- टी.टी. सेठी (एस.चंद&